तर्ज- दिल ही दिल में ले लिया दिल

अर्श की खिलवत भुलाकर,आई रूहें आपकी
अब ये घबरा करके पूछें,कब हो रवानी धाम की

1- इश्क के आलम में हमको,क्या ये सूझी थी धनी
इस फनां की चाह ने,दे दी जुदाई आपकी

2- एक पल भी था न गुजरा,आपसे बिछुड़े हुए
तुरंत थामा हाथ मेरा,यह है खुदाई आपकी

3- वारी जाऊं उन रूहों पर,जिनके आशिक आप हैं
चरणरज उनकी मैं चाहूं,जिनसे है निसवत आपकी

4- बक्श दो धनी सब खतायें,ले चलो अब ले चलो
कुछ नहीं मुश्किल ले चलना,मेहर हो जब आपकी

Nijanand App